रसिकबिनोद ।

जिसे

पटियालानिवासी श्रीयुत चन्द्रशेखर बाजपेयी जी ने महाराज श्रीनरेन्द्र सिंह जी के विनोदार्थ रचा ।

और जिसे ।

अत्यन्त परिश्रम से काशीनिवासी बाबू जगन्नाथदास बी. ए. (उपनाम रत्नाकर कवि) ने शुद्ध किया ।

इस ग्रन्थ को भारतजीवनसम्पादक बाबू रामकृष्ण वर्म्मा ने निज व्यय से प्रकाश किया ।

काशी ।

भारतजीवनप्रेस में मुद्रित हुआ ।

सन् १८९४ ई० ।

प्रथम बार १०००] [मूल्य ।)